प्रबंधन सर्वोत्तम तरीके से चीजों को प्रबंधित करने का एक अनुशासन है : प्रवीर

पटना (आससे)। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना ने आईआईसी गतिविधि के तहत 'नेतृत्व और प्रबंधन पाठ' पर एक बातचीत का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में वोडाफोन आइडिया के संचालन निदेशक, प्रवीर कुमार ने भाग लिया। प्रोफेसर (डॉ.) राणा सिंह, निदेशक, सीआईएमपी और कुमोद कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, सीआईएमपी ने स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डॉ. राणा सिंह, निदेशक, सीआईएमपी ने अतिथि, अन्य गणमान्य व्यक्तियों और दर्शकों का स्वागत किया। प्रवीर कुमार, संचालन निदेशक, वोडाफोन आइडिया ने छात्रों को संबोधित किया और कहा कि नेतृत्व लोगों को प्रभावित करने का एक गुण है, लेकिन प्रबंधन सर्वोत्तम संभव तरीके से चीजों को प्रबंधित करने का एक अनुशासन है। यदि आप कुछ ऐसा करना चाहते हैं जहाँ आप पढ़ते हैं तो आप क्या पढ़ते हैं इससे इसके अलावा अच्छी प्लेसमेंट मिल

जाये इसपर भी ध्यान केन्द्रित रहता है, लेकिन कॉलेज का एकमात्र लाभ यह है कि आपको अपनी पहली नौकरी मिल जाए उसके बाद आपका ज्ञान, कौशल और अनुभव सबसे अधिक मायने रखता है। उन्होंने यह भी कहा कि कॉरपोरेट सेक्टर में हमने बिजनेसमैन के साथ काम किया और वे सिर्फ वैल्यू और रेवेन्यू के बारे में सोचते हैं। वे आपकी डिग्री या प्रमाणन के बारे में चिंता नहीं करते हैं। उन्हें केवल व्यावहारिक शिक्षा और अनुभव की आवश्यकता है कि आप उनके लिए कैसे फायदेमंद हैं। आगे श्री कुमार ने यह भी कहा कि बॉस केवल प्रदर्शन चाहते हैं। बॉस को सख्त होना चाहिए, नहीं तो इसका मतलब आपका करियर ठीक से नहीं चलेगा। प्रमोटर ने हमेशा पेशेवर से ज्यादा कंपनी का नेतृत्व किया। करियर में प्रोग्रेसिव होने के लिए आपकी उम्र, पद और सैलरी ये तीन चीजें बहुत जरूरी हैं। मूल्यवर्धन एक अंतहीन प्रक्रिया है जो एक व्यक्ति को अपने करियर को आकार देने में मदद करती है। प्रो. (डॉ.) राणा सिंह, निदेशक, सीआईएमपी ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। अपने सम्बोधन में उन्होंने सम्मानित अतिथि एवं अन्य प्रतिभागियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। सत्र के दौरान संकाय सदस्य, छात्र और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

AAJ ! Page.NO-05 ! Dated:30-01-2023

लोगों को प्रभावित करने का एक गुण है नेतृत्व करना : प्रबीर

पटना/का.सं। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना ने आईआईसी गतिविधि के तहत नेतृत्व और प्रबंधन पाठ पर एक बातचीत का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में वोडाफोन आइडिया के संचालन-निदेशक, प्रवीर कुमार ने भाग लिया। सीआईएमपी के निदेशक डॉ राणा सिंह और मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, सीआईएमपी कुमोद कुमार ने स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन किया। निदेशक वोडाफोन प्रवीर कुमार ने कहा कि प्रबंधन सर्वोत्तम संभव तरीके से चीजों को प्रबंधित करने का एक अनुशासन है। यदि आप कुछ ऐसा करना चाहते हैं जहां आप पढ़ते हैं तो आप क्या पढ़ते हैं इससे इसके अलावा अच्छी प्लेसमेंट मिल जाये इस पर भी ध्यान केन्द्रित रहता है। लेकिन कॉलेज का एकमात्र लाभ यह है कि आपको अपनी पहली नौकरी मिल जाए उसके बाद आपका ज्ञान, कौशल और अनुभव सबसे अधिक मायने रखता है। उन्होंने यह भी कहा कि कॉरपोरेट सेक्टर में हमने बिजनेसमैन के साथ काम किया और वे सिर्फ वैल्यू और रेवेन्यू के बारे में सोचते हैं। वे आपकी डिग्री या प्रमाणन के बारे में चिंता नहीं करते हैं। उन्हें केवल व्यावहारिक शिक्षा और अनुभव की आवश्यकता है कि आप उनके लिए कैसे फायदेमंद हैं। एक बार जब आप किसी कंपनी में शामिल हो जाते हैं और एक वर्ष के बाद आप जो वेतन अर्जित कर रहे हैं, वह आपके हितधारकों के लिए अधिक राजस्व पैदा कर सकता है।

Sanmarg ! Page.No-03 ! Dated:30-01-2023

सीआईएमपी में नेतृत्व और प्रबंधन पाठ पर विमर्श

पटना। सीआईएमपी में गतिविधि के तहत नेतृत्व और प्रबंधन पाठ पर एक बातचीत का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में वोडाफोन आइडिया के संचालन-निदेशक प्रवीर कुमार ने भाग लिया। प्रोफेसर राणा सिंह, निदेशक, सीआईएमपी और कुमोद कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, सीआईएमपी ने स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस मौके पर प्रवीर कुमार ने कहा कि नेतृत्व लोगों को प्रभावित करने का एक गुण है। लेकिन प्रबंधन सर्वोत्तम संभव तरीके से चीजों को प्रबंधित करने का एक अनुशासन है। यदि आप कुछ ऐसा करना चाहते हैं जहां आप पढ़ते हैं तो आप क्या पढ़ते हैं? इससे इसके अलावा अच्छी प्लेसमेंट मिल जाये इसपर भी ध्यान केन्द्रित रहता है।

Rashtriya Sahara ! Page.NO-04 ! Dated:30-01-2023